आमोस

1 आमोस तकोई भेड़-बकरियों को चराया
करता था। उसने यहूदा के राजा
उज्जियाह, और योआश के बेटे इस्त्राएल के
राजा यारोबाम के दिनों में भूकम्प आने से दो
साल पहले, दर्शन में देखी बातों को बताया,
इस्त्राएल के बारे में भी। 2 प्रभु सिय्योन से
गरजेंगे, और यरूशलेम से आवाज़ लगाएँगे।
तब चरवाहों की चराइयाँ रोएँगी, और
कर्म्मेल की चोटी झुलस जाएगी। 3 प्रभु कहते
हैं, दमिश्क के तीन क्या चार गुनाहों के
कारण मैं उसकी सज़ा न छोड़ूँगा; क्योंकि
उन्होंने गिलाद को लोहे के दावनेवाले
औज़ारों से रौंद डाला है। 4 इसलिए मैं
हज़ाएल के राजभवन में आग लगा दूँगा और
उससे बेन्हदद के राजभवन भी जल जाएँगे।
5 मैं दमिश्क के बेण्ड़ों को तोड़ डालूँगा, और
आबेन नाम घाटी में रहनेवाली राजदण्डधारी
को नाश करूँगा। अराम के लोग गुलाम
होकर कीर को जाएँगे। यह प्रभु कह रहे
हैं। 6 प्रभु कहते हैं, अज्जा के तीन क्या
चार गुनाहों के कारण मैं उसका सज़ा दूँगा।
क्योंकि वे सब लोगों को गुलाम बनाकर
इसलिए ले गए ताकि एदोम के वश में कर
दें। 7 इसलिए मैं अज्जा की शहरपनाह में
आग लगाऊँगा, और इस तरह उसकी ईमारतें
भस्म हो जाएँगी। 8 मैं अशदोद के रहनेवालों
को और अश्कलोन के राजदण्डधारी को
भी बर्बाद करूँगा। मैं अपना हाथ एक्रोन के
खिलाफ उठाऊँगा। बाकी बचे हुए पलिश्ती
नाश होंगे। यह प्रभु परमेश्वर का कहना
है। 9 प्रभु कहते हैं, कि सोर के तीन क्या
चार गुनाहों के कारण मैं उसको सज़ा दूँगा,
क्योंकि उन्होंने सब लोगों को गुलाम करके
एदोम के वश में कर दिया और भाई की
सी वाचा को भुला दिया। 10 इसलिए मैं सोर
की शहरपनाह में आग लगाऊँगा, इस तरह
उसकी ईमारतें भस्म हो जाएँगी। 11 प्रभु कहते
हैं, एदोम के तीन क्या चार गुनाहों के कारण
मैं उसका सज़ा दूँगा। क्योंकि उसने अपने
भाई का तलवार लेकर पीछा किया और
उन पर कोई दया नहीं की, परंतु अपने गुस्से
से उनको मारता रहा, और अपने गुस्से को
हमेशा के लिए बनाए रहा। 12 इसलिए मैं
तेमान में आग लगाऊँगा, इस तरह बोस्रा की
ईमारतें भस्म हो जाएँगी। 13 याहवे कहते हैं,
अम्मोन के तीन क्या चार गुनाहों के कारण
मैं उसका सज़ा दूँगा। क्योंकि उन्होंने अपनी
सरहद बढ़ाने के लिए गिलाद की गर्भवती
स्त्रियों का पेट फाड़ डाला। 14 इसलिए मैं
रब्बा की शहरपनाह में आग लगाऊँगा, इस
तरह उसकी ईमारतें भस्म हो जाएँगी। उस
युद्ध के दिन में ललकार सुनाई देगी, वह
आंधी और बवण्डर का दिन होगा; 15 और
उनका राजा अपने अफसरों के साथ कैद कर
लिया जाएगा, यह याहवे कहते हैं।

2 प्रभु कहते हैं, मोआब के तीन क्या
वरन चार अपराधों के कारण मैं उनको
सज़ा दूँगा; क्योंकि उसने एदोम के राजा
की हड्डियों को जलाकर चूना कर दिया।
2 इसलिए मैं मोआब में आग लगाऊँगा, और
उससे करिय्योत के भवन जल जाएँगे; और
मोआब हुल्लड़ और ललकार, और नरसिंगे
की आवाज़ होते होते मर जाएगा। 3 मैं उसके
बीच में से न्यायी को नाश करूँगा, और साथ
ही साथ उसके सभी गवर्नरों को भी मार
डालूँगा, यह प्रभु कह रहे हैं। 4 वे कहते हैं,

यहूदा के तीन क्या, चार गुनाहों के कारण,
मैं उसे सज़ा दूँगा; क्योंकि उन्होंने प्रभु के
दिए गए नियम-आज्ञाओं को बेकार समझा
है और मेरे बताए रास्ते को नहीं अपनाया
है। उनके झूठे देवताओं के कारण जिनके
पीछे उनके पूर्वज चलते थे, वे भी भटक
गए हैं। 5 इसलिए मैं यहूदा में आग लगाऊँगा,
और उससे यरूशलेम की ईमारतें बर्बाद हो
जाएँगी। 6 प्रभु कहते हैं, इस्त्राएल के तीन
क्या, वरन चार अपराधों के कारण मैं उनको
दण्ड दूँगा; क्योंकि उन्होंने निरपराधी को
रुपये के लिए और गरीब को एक जोड़ी
जूतियों के लिए बेच दिया है। 7 वे गरीबों की
सिर पर की मिट्टी का भी लालच करते, और
नम्र लोगों को रास्ते से हटा देते हैं। बाप-बेटा
दोनों ही एक कुमारी के पास जाते हैं, ताकि
मेरे पवित्र नाम को अपवित्र ठहराएँ। 8 वे
हर एक वेदी के पास बन्धक के कपड़ों
पर सोते हैं, और दण्ड के रुपये से खरीदा
हुआ दाखमधु अपने देवता के घर में पी
लेते हैं। 9 मैंने उनके सामने से एमोरियों को
बर्बाद किया था जिनकी लम्बाई देवदारों
की सी, और जिनकी ताकत बांज वृक्षों का
सी थी। फिर भी मैंने ऊपर से उसके फल,
और नीचे से उसकी जड़ नाश की। 10 मैंने
तुमको मिस्र देश से निकाला और जंगल में
चालीस वर्ष तक लिए फिरता रहा, कि तुम
एमोरियों के देश के अधिकारी बन जाओ।
11 और मैंने तुम्हारे बेटों में से नबी होने के
लिए और तुम्हारे जवानों में नाज़ीर होने के
लिए अलग किया है। हे इस्त्राएलियो, क्या
यह सच नहीं है? 12 लेकिन तुम नाज़ीरों को
दाखमधु पिलाया, और नबियों को हुक्म
दिया कि भविष्यद्वाणी न करें। 13 देखो, मैं
तुमको ऐसा दबाऊँगा, जैसी पूलों से भरी
गाड़ी नीचे को दबाई जाती है। 14 इसलिए
तेज़ी से दौड़नेवाले को भाग जाने की जगह
न मिलेगी और सामर्थी की सामर्थ कुछ काम
न देगी, न ही ताकतवर अपनी जान बचा
पाएगा। 15 धनुष चलाने वाला खड़ा रह न
सकेगा और तेज़ी से दौड़नेवाला न बचेगा।
16 शूरवीरों में जो ज़्यादा धीर हो, वह भी उस
दिन नंगा होकर भाग जाएगा।

3 हे इस्राएलियो, इन बातों को सुनो, जिन्हें
याहवे ने तुम्हारे बारे में अर्थात् उस सारे
कुल के विषय में कहा है जिसे मैं मिस्त्र देश
से लाया हूँ; 2 दुनिया के सारे कुलों में से मैंने
केवल तुम्ही पर मन लगाया है, इसलिए मैं
तुम्हें सारी बुराईयों के कामों की सज़ा दूँगा।
3 यदि दो इन्सान एक दूसरे से सहमत न
हों, तो क्या वे एक संग रह पाएँगे? 4 क्या
सिंह बिना भोजन पाए जंगल में गरजेंगे? क्या
जवान सिंह बिना कुछ पकड़े अपनी माँद
मे से गुर्राएगा? 5 क्या चिड़िया बिना फन्दा
लगाए फँसेगी? क्या बिना कुछ फंसे फन्दा
पृथ्वी पर से उचकेगा? 6 क्या किसी नगर में
नरसिंगा फूँकने पर लोग न थरथराएँगे? क्या
प्रभु के बिना भेजे किसी नगर में कोई विपत्ति
पड़ेगी? 7 इसी प्रकार से प्रभु अपने दास
नबियों पर अपनी भेद की बात बिना प्रगट
किए कुछ भी न करेंगे। 8 सिंह गरजा; कौन
डरेगा नहीं? प्रभु बोले; कौन भविष्यद्वाणी
न करेगा? 9 अशदोद के भवन और मिस्त्र
देश के राजभवन पर ऐलान करके कहो,
सामरिया के पहाड़ों पर इकट्ठे होकर देखो,
कि उसमें क्या ही बड़ा शोर और उसके बीच
क्या ही अन्धेर के काम हो रहे हैं! 10 प्रभु
का कहना है, कि जो लोग अपने भवनों में
उपद्रव और डकैती की दौलत बटोर रखते
हैं, वे सीधाई से काम करना नहीं जानते हैं।
11 इस कारण परमेश्वर याहवे कहते हैं, देश
को घेरनेवाला एक दुश्मन तुम्हारी ताकत

को तोड़ देगा, और तुम्हारी ईमारतें लूट ली
जाएँगी। 12 प्रभु कहते हैं, जिस तरह चरवाहा
सिंह के मुँह से दो टांगे वा कान का एक
टुकड़ा छुड़ा लेता है, वैसे ही इस्त्राएली लोग,
जो सामरिया में बिस्तर के एक कोने में या
रेशम की गद्दी पर बैठते हैं, उन्हें भी छुड़ाया
जाएगा। 13 सेनाओं के परमेश्वर, प्रभु याहवे
यह कहना चाहते हैं, देखो, और याकूब के
घराने को सावधान करते हुए कहो, 14 'जिस
समय मैं इस्त्राएल को उसके गुनाहो की सजा
दूँगा, उसी समय मैं बेतेल की वेदियों को भी
सजा दूँगा, तब वेदी के सिंग टूटकर ज़मीन
पर गिर पड़ेंगे। 15 और मैं जाड़े के आरामगाह
और धूपकाल के आरामगाह, दोनों को गिरा
दूँगा; और हांथी दांत से बनी इमारतें भी नाश
हो जाएँगी और बड़े बड़े घर भी बर्बाद हो
जाएँगे,' ऐसा याहवे का कहना है।

4 हे बाशान की गायो, यह वचन सुनो,
तुम जो सामरिया के पहाड़ पर रहती
हो, जो कंगालों पर अन्याय करती और
दरिद्रों को कुचल डालती हो, और अपने
अपने पति से कहती हो कि लाओ, कि
हम पीएँ। 2 परमेश्वर याहवे अपनी पवित्रता
को याद करते हुए कहते हैं, देखो, तुम पर
ऐसे दिन आने वाले हैं, कि तुम कटियाओं
से, और तुम्हारे बच्चे मछली की बन्सियों से
खींच लिए जाएँगे। 3 तुम्हें बाड़े के नाकों से
सीधा निकाल दिया जाएगा और हम्म्रोन में
डाल दिया जाएगा, प्रभु कहते हैं। 4 बेतेल में
आकर गुनाह करो, और गिलगाल में आकर
बहुत गुनाह करो; सुबह सुबह अपनी भेंटें,
और अपने दशमांश हर तीसरे दिन ले आया
करो; 5 धन्यवादबलि में खमीर मिलाकर
चढ़ाओ, और अपने स्वेच्छाबलियों के बारे
में बोल-बोलकर उनका प्रचार करो; क्योंकि
हे इस्राएलियो, ऐसा करना तुमको बड़ा
अच्छा लगता है, परमेश्वर याहवे कहते हैं।
6 मैंने तो तुम्हारे सब नगरों में दांत की सफाई
करा दी, और तुम्हारे सब ठिकानों में रोटी
की कमी कर दी है, फिर भी तुम मेरी ओर
लौटकर नहीं आए, याहवे परमेश्वर का यही
कहना है। 7 जब कटनी के तीन महीने बचे थे,
तब मैंने तुम्हारे लिए बारिश को रोकर रखा;
शहर के एक हिस्से में तो बारिश हुई, दूसरे में
नहीं हुई; एक खेत में बारिश हुई, और जहाँ
बारिश नहीं हुई वह सूख गया। 8 इसलिए दो
तीन नगरों के लोग पानी के लिए यहाँ वहाँ
भटकते हुए एक ही नगर में आ पहुँचे, लेकिन
तृप्त नहीं हो पाए; प्रभु परमेश्वर कहते हैं, कि
इतना होने पर भी तुम मेरी ओर लौटकर नहीं
आए। 9 मैंने तुमको लूह और गेरुई से मारा है।
तुम्हारे बगीचे में और अंगूर के बागों में बहुत
फल लगे, और अंजीर तथा जैतून के बहुत
पेड़ उग आए, तब ऐसा हुआ कि टिड्डियों ने
आकर उन्हें खा लिया। प्रभु परमेश्वर कहते हैं,
कि इतना होने पर भी तुम मेरी ओर लौटकर
नहीं आए। 10 मैंने तुम्हारे बीच में मिस्र देश के
समान महामारी भेजी; मैंने तुम्हारे घोड़े छीन
लिए और तुम्हारे जवानों को तलवार से मार
डाला; और तुम्हारी छावनी में फैली दुर्गन्ध
तुम्हारे नाकों में पहुँची; प्रभु परमेश्वर कहते हैं,
कि इतना होने पर भी तुम मेरी ओर लौटकर
नहीं आए। 11 मैंने तुममें से कुछ लोगों को
वैसे ही बर्बाद कर दिया, जैसे परमेश्वर ने
सदोम और अमोरा को कर दिया था, और
तुम आग से निकाली हुई लुकटी के समान
ठहरे; प्रभु परमेश्वर कहते हैं, कि इतना होने
पर भी तुम मेरी ओर लौटकर नहीं आए।
12 इसलिए, हे इस्त्राएल, मैं तुम्हारे साथ ऐसा
ही करूँगा, और क्योंकि मैं तुम में यह काम
करने वाला हूँ, इसलिए हे इस्त्राएल, अपने
परमेश्वर के सामने आने के लिए तैयार हो

जाओ। 13 क्योंकि देखो, पहाड़ों को बनाने
वाले और हवा को बनाने वाले, और मनुष्य
के मन के विचार को बताने वाले और सुबह
को अन्धेरे में बदलने वाले, और पृथ्वी के
ऊँचे स्थानों पर चलनेवाले, उन्हीं का नाम
सेनाओं का परमेश्वर याहवे है।

5 हे इस्त्राएल के घराने, इस विलाप के
गीत के शब्दों को सुनो जो मैं तुम्हारे
बारे में कहता हूँ; 2 इस्त्राएल की कुँवारी
बेटी गिर गई, वह फिर उठ नहीं पाएगी; वह
अपनी ही जगह पर गिरा दी गई है, और
उसे उठानेवाला कोई नहीं है। 3 क्योंकि प्रभु
परमेश्वर कहते हैं, जिस नगर से हज़ार थे,
उसमें इस्त्राएल के घराने के सौ ही बचेंगे,
और जिसमें सौ थे, उसमें दस ही बचेंगे।
4 याहवे इस्त्राएल के घराने से कहते हैं, मुझ
से दुवा करो, तो तुम ज़िन्दा रह पाओगे।
5 बेतेल की तलाश मत करो, गिलगाल को
मत जाओ, और न बेर्शेबा को जाओ; क्योंकि
गिलगाल को पकड़कर ज़रूर बंदी बनाकर
ले जाया जाएगा, और बेतेल सूना पड़
जाएगा। 6 याहवे परमेश्वर की खोज करो,
तब तुम ज़िन्दा रहोगे; नहीं तो वह यूसुफ
के घराने पर आग के समान भड़क उठेंगे,
और वह उसे जलाकर राख कर देगी, और
बेतेल में उसे बुझाने वाला कोई न रहेगा। 7 हे
गलत इन्साफ करनेवालो और अच्छी बातों
को मिट्टी में मिलाने वालो! 8 जो कचपचिया
और मृगशिरा को बनाने वाले हैं, जो घोर
अन्धियारे को सुबह की रोशनी में बदलते
हैं, जो दिन को अन्धियारा करके रात में
बदल देते हैं, और समुद्र का पानी पृथ्वी पर
बहा देते हैं, उनका नाम याहवे परमेश्वर है।
9 वह तुरंत ही ताकतवर को मिटा देते हैं,
और गढ़ का भी नाश करते हैं। 10 सभा में
डांटने वाले उन्हें पसंद नहीं है, और सच्ची बात
बोलनेवालों से वे नफरत करते हैं। 11 तुम जो
गरीबों के साथ मारपीट करते हो, और भेंट के
नाम पर उनसे भोजन छीन लेते हो, इसलिए
जिन घरों को तुमने सुंदर पत्थरों से बनाया है,
उनमें तुम रह न सकोगे; जो खूबसूरत दाख
के बगीचे तुमने लगाए हैं, उनका दाखमधु
पीने न पाओगे। 12 क्योंकि मैं जानता हूँ कि
तुम्हारे अपराध भयंकर हैं। तुम अच्छे लोगों
को सताते और रिश्वत लेते हो, और फाटक
में बैठकर गरीबों का इन्साफ बिगाड़ते हो।
13 इसलिए जो बुद्धिमान है, वह ऐसे समय चुप
रहे, क्योंकि समय बड़ा बुरा है। 14 हे लोगो,
बुराई को नहीं, लेकिन भलाई को ढूंढ़ो,
जिससे तुम ज़िन्दा रह पाओ; और तुम्हारी इस
बात को लोग सच मान सकें कि सेनाओं के
परमेश्वर याहवे तुम्हारे साथ हैं। 15 बुराई को
पसंद मत करो और भलाई से प्यार करो।
फाटक में इन्साफ करो; हो सकता है कि
सेनाओं के परमेश्वर याहवे यूसुफ के बचे
लोगों पर अनुग्रह करें। 16 इसलिए सेनाओं
के परमेश्वर, प्रभु याहवे कहते हैं, सब चौकों
में लोग रोते बिलखते रहेंगे; और सब सड़कों
में लोग हाय, हाय, करेंगे! वे किसानों को
दुख मनाने के लिए, और जो लोग शोक करने
में निपुण हैं, उन्हें रोने-बिलखने को बुलाया
जाएगा। 17 सब दाख के बगीचों में शोक
मनाया जाएगा, क्योंकि याहवे कहते हैं, कि
मैं तुम्हारे बीच में से होकर जाऊँगा। 18 उन
लोगों का धिक्कार हो, जो याहवे के दिन की
इच्छा रखते हैं! इससे तुम क्या समझते हो?
याहवे का दिन न तो उजियाले का दिन होगा,
और न ही अन्धियारे का दिन होगा। 19 मानो
कोई सिंह से भागता है और उसे भालू मिलता
है या वह घर की दीवार पर हाथ रखता है
और उसको साँप डंस लेता है। 20 क्या यह
सच नहीं है कि याहवे का दिन उजियाले

का नहीं, बल्कि अन्धियारे ही का होगा?
हाँ, ऐसे भयानक अन्धियारे का जिसमें कुछ
भी रोशनी न होगी। 21 मैं तुम्हारे त्योहारों को
पसंद नहीं करता, और तुम्हारी महासभाओं
से मुझे खुशी नहीं मिलती। 22 भले ही तुम
मेरे लिए होमबलि और अन्नबलि चढ़ाओ,
तौभी मुझे खुशी नहीं होगी, और मैं तुम्हारे
पालतू पशुओं के मेलबलियों की ओर देखूँगा
भी नहीं। 23 अपने गानों का शोर मुझसे दूर
करो; तुम्हारी सारंगियों का सुर मैं नहीं सुनना
चाहता। 24 परन्तु इन्साफ को नदी के समान,
और अच्छाई को बड़ी नदी के समान बहने
दो। 25 हे इस्त्राएल के घराने, क्या तुम जंगल
में चालीस साल तक पशुबलि और अन्नबलि
मुझी को चढ़ाया करते थे? 26 नहीं, तुम तो
अपने राजा का तम्बू, और अपनी मूर्तियों की
चरणपीठ, और अपने देवता का तारा लिए
फिरते रहे। 27 इस वजह से मैं तुमको दमिश्क
के उस पार कैद में भेज दूँगा, सेनाओं के प्रभु
परमेश्वर कहना चाहते हैं।

6 हाय उन लोगों पर जो बिना किसी चिन्ता
के रहते, और उन पर जो सामरिया के
पहाड़ पर अपने आपको सुरक्षित समझते हैं,
हाँ, नामी-गिरामी लोगों का महान देश जिनके
पास इस्त्राएल का घराना आता है। 2 कलने
नगर को जाकर देखो, और वहाँ से हमात
को जाओ; फिर पलिश्तियों के गत नगर को
जाओ। क्या वे इन राज्यों से अच्छे हैं? क्या
उनका राज्य तुम्हारे राज्य से बड़ा है? 3 क्या
तुम परेशानी के दिन को अनदेखा कर हिंसा
के शासन को पास नहीं लाते? 4 वे हाथी दाँत
के पलंगों पर लेटते और अपने अपने बिस्तर
पर पांव फैलाकर सोते और झुण्ड में से मेम्ने
और गौशालाओं से बछड़े खाते हैं। 5 वे वीणा
के स्वर निकालते, और दाऊद की तरह
अपने लिए गीत बनाते हैं। 6 वे बलिदान के
बर्तनों में शराब पीते और बढ़िया से बढ़िया
तेल लगाते हैं, फिर भी वे यूसुफ (इस्त्राएल)
की बर्बादी पर दुखी नहीं होते हैं। 7 इसलिए
वे सब बंधुआई में पहले जाएँगे और बैठकर
रंगरेलियाँ करना जाता रहेगा। 8 प्रभु याहवे ने
अपनी ही शपथ खाई है। सेनाओं के परमेश्वर
याहवे का यह वचन है, “मैं याकूब की दुष्टता
से नफरत करता हूँ और उसके किलों से
घृणा करता हूँ। इसलिए नगर और जो कुछ
उसमें है, उसे दुश्मन के हवाले कर दूँगा।
9 जिस किसी घर में दस आदमी बचे हों, तो
वे भी मर जाएँगे। 10 तब उसका चाचा या
अंतिम क्रिया करनेवाला उसकी हड्डियाँ घर
से ले जाने के लिए उठाएगा और उससे जो
घर के सबसे अंदर के हिस्से में है पूछेगा,
और वह कहेगा, ‘कोई नहीं,’ तब वह जवाब
देगा, ‘खामोश रहो, प्रभु का नाम न लिया
जाए।’ 11 क्योंकि देखो, प्रभु यह आदेश देने
पर है कि बड़ी इमारत चकनाचूर और छोटी
इमारत टुकड़े-टुकड़े कर दी जाए। 12 क्या
घोड़े चट्टानों पर दौड़ते हैं? क्या बैलों से वहाँ
हल चलाया जाता है? फिर भी तुमने इन्साफ
को ज़हर में और धार्मिकता के परिणाम को
नागदौना में बदल दिया है। 13 तुम बेकार
की बातों पर घमण्ड करते और कहते हो,
“क्या अपनी ही ताकत से हमने करनैम पर
कब्ज़ा नहीं किया था?” 14 हे इस्त्राएल के
घराने देखो, “मैं तुम्हारे खिलाफ एक देश को
लाऊँगा, जो तुम्हें हमात की घाटी से अराबा
के नाले तक सताती रहेगी।” यह सेनाओं के
परमेश्वर याहवे का संदेश है।

7 प्रभु याहवे ने मुझे दर्शन में यह दिखाया
कि बसन्त के मौसम की फसल उगने
के समय टिड्डी दल आ गई। यह फसल
राजकीय कटनी के बाद की फसल थी। 2 उस
देश की फसल चट कर जाने के बाद मैंने

कहा, “हे प्रभु मुझे माफ कीजिए! याकूब
कैसे बना रहेगा? वह तो छोटा है!” 3 याहवे
ने तो इसके बारे में अपना विचार बदल
दिया है। उन्होंने कहा, “ऐसा नहीं होगा।”
4 प्रभु ने मुझे दर्शन में यह दिखाया; देखो, प्रभु
ने आग के द्वारा मुकदमा लड़ने को पुकारा
और आग महासागर को सुखाकर पृथ्वी को
बर्बाद करने लगी। 5 तब मैंने कहा, ”हे प्रभु,
रुक जाइए! याकूब कैसे सह पाएगा? वह
तो छोटा है।“ 6 प्रभु ने इसके बारे में अपना
ख्याल बदल दिया। प्रभु याहवे ने कहा, “यह
भी नहीं होगा।” 7 फिर उन्होंने मुझे दर्शन में
दिखाया; देखो, प्रभु हाथ में साहुल लगाकर
बनाई हुई किसी दीवार पर खड़ा है और
उसके हाथ में साहुल है। 8 और प्रभु ने मुझसे
कहा, “हे आमोस, तुम क्या देख रहे हो?”
मैंने कहा, “एक साहुल।” तब परमेश्वर ने
कहा, देखो, मैं अपनी प्रजा इस्त्राएल के
बीच में साहुल लगाऊँगा। 9 उन्हें मैं छोड़ूँगा
नहीं। इसहाक के ऊँचे स्थान उजाड़, और
इस्त्राएल के पवित्र स्थान सुनसान हो जाएँगे,
और मैं यारोबाम के घराने पर तलवार खींचे
हुए चढ़ाई करूँगा। 10 तब बेतेल के पुरोहित
अमस्याह ने इस्त्राएल के राजा यारोबाम के
पास कहला भेजा, कि आमोस ने इस्त्राएल
के घराने के बीच में तुमसे राजद्रोह की गोष्ठी
की है; उसके सारे वचनों को देख नहीं सह
सकता। 11 क्योंकि आमोस यों कहता है,
कि, यारोबाम तलवार से मारा जाएगा,और
इस्त्राएल अपने देश में से ज़रूर बंदी बनाकर
ले जाया जाएगा। 12 अमस्याह ने आमोस
से कहा, हे दर्शी, यहाँ से निकलकर यहूदा
देश को भाग जा, और वहीं रोटी खाया
कर, और वहीं भविष्यद्वाणी भी किया कर;
13 लेकिन बेतेल में फिर कभी भविष्यद्वाणी
न करना, क्योंकि यह राजा का पवित्रस्थान
और राजनगर है। 14 आमोस ने उत्तर देकर
अमस्याह से कहा, मैं न तो भविष्यद्वक्ता
था, और न ही भविष्यद्वक्ता का बेटा; मैं
तो गाय-बैल को चराने वाला और गूलर के
पेड़ों को छाँटनेवाला था, 15 याहवे ने मुझे
भेड़-बकरियों के पीछे पीछे घूमने से बुला
लिया और कहा, जा मेरी प्रजा इस्त्राएल से
भविष्यद्वाणी के द्वारा बातें कर। 16 इसलिए
अब तुम याहवे का वचन सुनो, तुम कहते हो
कि इस्त्राएल के खिलाफ भविष्यद्वाणी मत
कर; और इसहाक के घराने के खिलाफ बार
बार वचन मत सुना। 17 इसलिए प्रभु परमेश्वर
कहते हैं, तुम्हारी पत्नी नगर में वेश्या हो
जाएगी, और तुम्हारे बेटे-बेटियाँ तलवार के
कौर हो जाएँगे, और तुम्हारी ज़मीन को बाँट
लिया जाएगा; और तुम खुद अशुद्ध देश में
मरोगे, और इस्त्राएल को अपने देश से बंदी
बनाकर ले जाया जाएगा।

8 परमेश्वर ने मुझे दिखाया है कि गर्मी के
मौसम के फलों से भरी एक टोकरी है।
2 उन्होंने मुझसे पूछा मुझे दिख क्या रहा है?
मैंने कहा, “गर्मी के मौसम के फलों से भरी
एक टोकरी।” तब प्रभु बोले, “मेरी प्रजा
इस्त्राएल का वक्त आ चुका है; मैं उसको
न छोड़ूँगा।” 3 परमेश्वर प्रभु का संदेश है, कि
उस दिन राजमंदिर के गीत हाहाकार में बदल
जाएँगे, और लोथों का बड़ा ढेर लगेगा; और
सब जगह वे खामोश से फेंक दी जाएँगी।
4 यह सुनो, तुम जो गरीबों को निगलना और
देश के नम्र लोगों को बर्बाद करना चाहते हो,
5 जो कहते हो नया चाँद कब बीतेगा, कि
हम अनाज बेच सकें? और विश्रामदिन कब
होगा, कि हम अनाज के खत्ते खोलकर एपा
को छोटा और शेकेल को भारी कर दें, और
चतुराई से डंडी मारें। 6 कि हम गरीबों को
पैसा देकर और गरीबों को एक जोड़ी जूतियाँ

देकर मोल लें, और खराब अनाज बेच सकें।
7 प्रभु जिस पर याकूब को घमण्ड करना सही
है, वही अपनी शपथ खाकर कहते हैं, “मैं
तुम्हारे किसी काम को कभी न भूलूँगा।”
8 क्या इस कारण पृथ्वी न काँपेगी? और
सभी रहनेवाले रोएँगे नहीं? यह देश मिस्र
की नील नदी की तरह हो जाएगा, जो बढ़ती
है, फिर लहरें मारती है और कम हो जाती
है। 9 प्रभु कहते हैं, “उस समय मैं सूर्य को
दोपहर के समय अस्त करूँगा। दोपहर ही में,
मैं इस देश में अन्धेरा कर दूँगा। 10 मैं तुम्हारे
त्यौहारों के उत्सव को दूर करके रूलाऊँगा,
और तुम्हारे सब गीतों को दूर करके विलाप
के गीत गवाऊँगा; मैं तुम सबकी कमर में टाट
बँधाऊँगा, और सिरों को मुँड़ाऊँगा; और ऐसा
रोना-धोना कराऊँगा जैसे एकलौते के लिए
होता है, और उसका अन्त कठिन दुःख के
दिन का सा होगा।” 11 प्रभु कहते हैं, “देखो,
ऐसे दिन आने वाले हैं, जब मैं इस देश में
महँगाई बढ़ाऊँगा। उसमें अनाज की भूख
और पानी की प्यास न होगी, लेकिन प्रभु
की बातों के सुनने की ही भूख-प्यास होगी।
12 प्रभु के वचन की खोज में लोग समुद्र से
समुद्र तक और उत्तर से पूरब तक मारे-मारे
फिरेंगे, लेकिन उसको न पाएँगे। 13 उस समय
खूबसूरत कुमारियां और जवान पुरुष दोनों
प्यास के मारे बेहोश हो जाएँगे। 14 जो लोग
सामरिया के अपराध-मूल देवता की कसम
खाते हैं, और जो कहते हैं कि दान के देवता
के जीवन की शपथ, और बेर्शेबा के पन्थ की
शपथ, वे सभी गिर जाएँगे और फिर न उठेंगे।

9 मैंने प्रभु को वेदी के ऊपर खड़े हुए देखा,
और उससे कहा, “खम्भों के शीर्षों पर
मार जिससे डेवढ़ियां हिल जाए और उन्हें
तोड़कर लोगों के सिरों पर गिरा दे; तब जो
लोग बच जाएँगे, उन्हें मैं तलवार से मारूँगा;
भागनेवालो में से एक भी न होगा, जो भाग
निकले, या कोई शरणार्थी जो बच निकले।
2 चाहे वे खोदकर अधोलोक में उतर जाएँ,
वहाँ से भी मेरा हाथ उन्हें खींच लाएगा; और
चाहे वे आकाश पर चढ़ जाएँ, तौभी वहाँ से
मैं उन्हें उतार लाऊँगा। 3 चाहे वे कर्म्मेल की
चोटी पर छिप जाएँ, मैं वहाँ से उन्हें ढूँढ़कर
लाऊँगा, चाहे वे मेरी निगाह से समुद्रतल में
अपने आपको छिपा लें, वहाँ मैं सांप को
आदेश दूँगा और वह उन्हें डस लेगा। 4 चाहे
वे दुश्मनों के आगे-आगे गुलामी में ले जाए
जाएँ, वहाँ मैं तलवार को हुक्म दूँगा कि
उन्हें मार डालें। भलाई के लिए नहीं, लेकिन
बुराई ही के लिए मैं उन पर नज़र डालूँगा।
5 और सेनाओं के प्रभु कहते हैं, जो पृथ्वी
को ऐसा छूते हैं कि वह पिघल जाती है,
और उस पर सब रहनेवाले रोते हैं; और
उसका सब कुछ नील नदी की तरह उफन
जाता, और मिस्र की नील की तरह कम
हो जाता है। 6 और जो आकाश में अपना
ऊपरी कक्ष बनाता है, और उसे धरती पर
उण्डेल देता है। उसी का नाम याहवे है। 7 प्रभु
कहते हैं, “हे इस्राएलियो, क्या तुम मेरे लिए
इथियोपिया के लोगों के समान नहीं हो? क्या
मैं इस्त्राएल को मिस्र देश से और पलिश्तियों
को कप्तोर और अरामियों को कीर से नहीं
निकाल लाया? 8 देखो, प्रभु की निगाहें इस
गुनाहगार राज्य पर लगी हैं, और मैं दुनिया
में से उसका नामो ओ निशान मिटा डालूँगा;
फिर भी याकूब के घराने को पूरी तरह समाप्त
न करूँगा”, याहवे यों कहते हैं। 9 मैं आज्ञा
देकर याकूब के घराने को सब देशों में ऐसा
छानूँगा, जैसे अनाज छलनी में छाना जाता
है, लेकिन एक भी पका दाना ज़मीन पर
न गिरेगा। 10 मेरी प्रजा के सभी दुष्ट लोग
जो कहते हैं ‘हम पर मुसीबत नहीं आएगी,

वे सभी तलवार से मरेंगे।' 11 उस समय मैं
दाऊद की गिरे हुए तम्बू को खड़ा करूँगा।
मैं उसके खण्डहरों को फिर बनाऊँगा। जैसा
वह पुराने समय में था, उसे वैसा ही बना
दूँगा। 12 जिससे वे एदोम के बचे हुओं को
और उन सभी देशों के लोगों को जो मेरे
नाम के कहलाते हैं, अपने वश में कर लें।
" 13 प्रभु कहते हैं, "ऐसा समय आएगा, जब
हल जोतनेवाला कटनी करनेवाले को और
अंगूर रौंदनेवाला बीज बोनेवाले को पकड़
लेगा। पहाड़ों से मीठा अंगूर रस टपकेगा
और पहाड़ियाँ धुल जाएँगी। 14 फिर मैं अपनी
प्रजा इस्त्राएल के गुलामी से छुड़ा लाऊँगा,
और वे उजाड़ नगरों को फिर से बना करके
उसमें बसेंगे। वे अंगूर के बगीचे लगाएँगे,
और उसका रस पिएँगे, और बगीचे लगाकर
फल खाएँगे। 15 मैं उनको उन्हीं की ज़मीन
में रोपूंगा। और वे अपनी ज़मीन में से जो मैंने
उनको दी है, बेदखल नहीं किए जाएँगे।" यह
तुम्हारे परमेश्वर का कहना है।

DUSTY SANDALS
All Rights Reserved. www.dustysandals.com